वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 224 | गुरुवार 11 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सौधर्म इन्द्र का आसन हुआ कम्पायमान, सात कदम चलकर किया नमस्कार

अपने आप का मंगल करना है तो मन को मंगल बनाओ: मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

आज निकलेगी जन्म कल्याणक महोत्सव पर विशाल शोभायात्रा : विजय धुर्रा

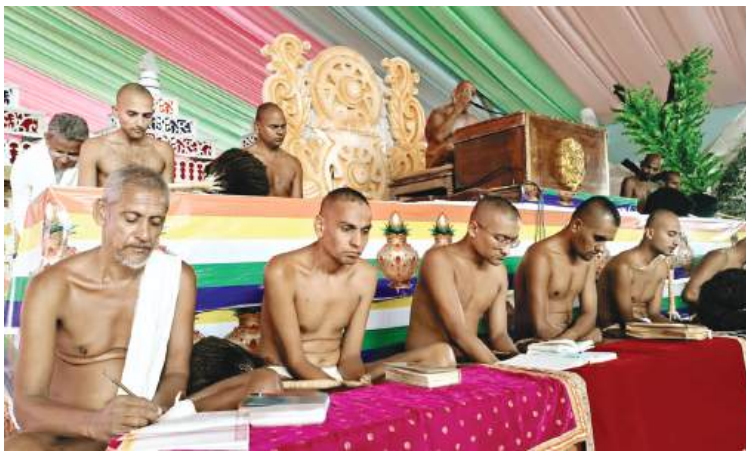

पडूकशिला पर इन्द्रों द्वारा होगा भगवान का जन्माभिषेक

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

नगर के मंडी प्रांगण में निर्यापकाचार्य मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीपभाइया के निर्देशन में चल रहे श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ में बीती रात सौधर्म इन्द्र के दरबार में समाचार पहुँचा कि मध्यलोक के भरत क्षेत्र, आर्यखंड की भारतीय वसुंधरा पर अयोध्या नगरी में महाराजा नाभि के घर माता मरुदेवी के राजमहल में तीर्थंकर कुमार का जन्म हुआ है। इसके साथ ही धनकुबेर को अयोध्या नगरी को सर्व सुविधायुक्त बनाने का संदेश दिया गया।

धर्मात्मा से ही होती है धर्म की पहचान

इस अवसर पर आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए तीर्थचक्रवर्ती मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि किसी भी धर्म की पहचान धर्मात्मा से होती है। धर्मात्मा को देखकर ही धर्म का परिचय मिलता है। त्याग का महत्व है, क्रिया का महत्व है। हम अपना मन गंदा नहीं करेंगे और न दूसरों का मन गंदा करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रातः काल का ब्रह्ममुहूर्त अत्यंत पवित्र होता है – प्रातः 4 बजे से लेकर सूर्योदय तक के समय को प्रत्यूष काल कहा जाता है। यह बहुत शुभ मुहूर्त होता है। इस समय जो भी कार्य किया जाता है, वह अत्यंत फलदायी होता है। ब्रह्ममुहूर्त के प्रथम पहर में भरत चक्रवर्ती भी ऐसे ही पवित्र वातावरण में रहते थे, जिससे मन निर्मल बना रहे। उन्होंने कहा कि ''मंगलाचरण करो। यदि तुमने मंगलाचरण कर लिया तो कोई गलत विचार आ भी जाए, तो भी किसी दूसरे को उसका बुरा नहीं लगेगा।''

कल निकलेगी भव्य शोभायात्रा

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीपभाइया के निर्देशन में कल भव्य जन्माभिषेक महोत्सव की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा अयोध्या नगरी से प्रारंभ होकर एफओवी पुल, गांधी पार्क, पुराना बाजार, प्रोसेसर रोड, सुराणा पार्क, इन्द्र पार्क, सुभाष गंज, विद्यासागर दार, भगवान महावीर मार्ग, स्टेशन रोड, गांधी पार्क होते हुए पुनः अयोध्या नगरी पहुँचेगी, जहाँ पडूकशिला पर जन्माभिषेक होगा। इसके बाद बाल क्रीड़ा का आयोजन होगा।

स्वयं का पुण्य स्वयं ही नष्ट न करें

महाराजश्री ने कहा कि मनुष्य स्वयं अपने पुण्य को नष्ट कर रहा है। उन्होंने कहा ''मैं अपनी खुद की बरबादी नहीं करूँगा। दुनिया मार दे तो कोई बात नहीं, लेकिन मैं अपने आप से आत्मघात नहीं करूँगा। मैं अपने धन से गुटखा-तंबाकू खाकर अपने जीवन को नष्ट नहीं करूँगा।'' उदाहरण देते हुए कहा कि भुज के भूकंप में बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले कई लोग दबकर मर गए, जबकि सामने झोपड़ी में रहने वाले बच गए। इसलिए भगवान को कभी दोष न दें। उन्होंने कहा कि ऊपर वाले पर संदेह मत रखो। हो सकता है कि इसी में आपका भला हो। हमेशा सकारात्मक विचार रखें।

88वीं जयंती पर सौभाग्यमुनि को नमन

भीलवाड़ा में जागा संयम का चेतना-दीप

समाज ने लिया दिखावा-मुक्त व व्यसन-मुक्ति का महा-संकल्प

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन में बुधवार को श्रमणसंघीय महामंत्री पूज्य गुरुदेव सौभाग्य मुनि जी महाराज की 88वीं जन्म जयंती सामायिक एवं व्यसन मुक्ति दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम में गुरुदेव की स्मृतियाँ, उनके आदर्श और संघहित के प्रति समर्पित व्यक्तित्व को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने गुरुदेव के जीवन प्रसंगों का स्मरण करते हुए कहा कि सौभाग्य मुनिजी महाराज का सम्पूर्ण जीवन एक खुली, निर्मल और निष्कलंक पुस्तक की भाँति था। उनके व्यवहार में सहजता, सरलता और पारदर्शिता इतनी थी कि उनसे जुड़ने वाला हर व्यक्ति आत्मीयता महसूस करता था। वे केवल संघ के अनुयायी नहीं, बल्कि संघ-एकता के आधार-स्तंभ थे। संघ को संगठित रखना, विघ्नों को शांत बुद्धि से सुलझाना और अहिंसाझसंयम की राह पर प्रेरित करना उनकी विशिष्ट पहचान थी। उन्होंने कहा कि गुरुदेव कभी स्वयं के लिए नहीं जिए उनका हर कदम, हर निर्णय और हर विचार संघ तथा साधना की उन्नति के लिए समर्पित रहा। श्रमणसंघ को मजबूत बनाने के लिए उन्होंने जिस दूरदर्शिता, त्याग और कर्मनिष्ठा से कार्य किया, वह आज भी अनुकरणीय है। उन्होंने सिद्ध किया कि प्रभाव सत्ता से नहीं, बल्कि सत्य, सेवा और तपस्वी जीवन से उत्पन्न होता है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि नेतृत्व का अर्थ आदेश देना नहीं, बल्कि स्वयं उदाहरण बनकर मार्ग दिखाना है। महासती विद्याश्री ने कहा कि सौभाग्य गुरुदेव के सिद्धांत आज भी दिशा देने वाले प्रकाशस्तम्भ हैं। उनके आदर्शों को व्यवहार में उतारने से जीवन में स्पष्टता, शांति और अनुशासन सहज रूप से उतर आते हैं। साध्वी हर्षश्री और साध्वी जयश्री ने कहा कि जन्म और मरण जितना सरल होगा, व्यक्ति का प्रभाव उतना ही व्यापक होगा। महानता नाम से नहीं, बल्कि कर्म से स्थापित होती है। जो अपने वचन, आचरण और कर्तव्य से समाज में प्रकाश फैलाता है, वही वास्तव में पूजनीय बनता है। गुरुदेव का संघ-सुदृढ़ीकरण में योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। इस दौरान गुरुदेव की गुणगाथा, उनकी दीक्षा-यात्रा के प्रेरक प्रसंगों और संयममय जीवन के विविध आयामों को अनेक वक्ताओं और श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण शब्दों में याद किया। इस अवसर पर श्री अम्बेश स्वाध्याय भवन के अध्यक्ष नवरतनमल सूरिया, राजेंद्र मेहता, मंत्री चंचल पीपाड़ा, सुरेश नानेचा, पंकज पीपाड़ा, मुकेश आंचलिया, पुष्पेंद्र सुराणा और सुभाष खाब्या साथ ही शांति भवन के संरक्षक नवरतनमल बंब, मंत्री नवरतनमल भलावत, सुशील चपलोत, अनिल खटोड़, पंकज मेड़तवाल, प्रमोद सिंघवी,नवीन नाहर, पारसमल कुकड़ा तथा भूपेंद्र सिंह पंगारिया ने भी गुरुदेव के संयमी जीवन, प्रेरक व्यक्तित्व और संघहित के प्रति उनके समर्पण को नमन करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। अम्बेश महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू खटवड़, सुमन लोढ़ा, खुशबू नागौरी, कमला चौधरी, निर्मला सिंघवी आदि सदस्यों ने भी श्रद्धाभाव से गुरुदेव की स्मृतियों को नमन किया और गुणगान किया। कार्यक्रम अंत में उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा के समक्ष उपस्थित समाजजनों ने जन्मजयंती के मौके पर कुव्यसनों से दूर रहने और बच्चों के विवाह समारोहों में दिखावटी प्रदर्शन न करने का संकल्प लिया।

अरिहंत ग्लोबल ने मनाया 12वां वार्षिकोत्सव

मिशन 100 थीम के साथ ऊर्जा से भरपूर भव्य उत्सव बढ़ता राजस्थान

जयपुर. शाबाश इंडिया

डिजिटल सेवाओं, मोबाइल संचार सुविधाओं और आधुनिक तकनीकी समाधानों में अग्रणी संस्था अरिहंत ग्लोबल ने इस वर्ष अपना 12वाँ वार्षिकोत्सव अत्यंत जोश, उत्साह और पारिवारिक वातावरण में मनाया। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय ''मिशन 100 थीम (0% एक्सक्यूज, 100% एक्सीलेंस)'' ऊर्जा के साथ उत्सवद्ध रखा गया, जिसका उद्देश्य आने वाले समय में अधिक अनुभवी मेंटर्स, सदस्यों द्वारा सशक्त, प्रशिक्षित और ऊजार्वान टीम का निर्माण करना, डिजिटल रोजगार सृजन , फ्रेंचाइजी सेगमेंट में प्रवेश करना है। यह भव्य समारोह काश्वी बैंक्वेट, खंडेलवाल ढाबेवाला, जयपुर में आयोजित हुआ, जहाँ संस्था के सभी कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय व उल्लासपूर्ण हो गया। समारोह में उद्योग, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र के सम्मानित अतिथियों डॉ. अरुण अग्रवाल, जगदीश सोमानी, मनीष जैन, अंकुर जोशी, मुकुल गोस्वामी, प्रो. त्रिलोक जैन एवं गौमाता सेवार्थ ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यो ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों ने अरिहंत ग्लोबल की 12 वर्षों की विकास यात्रा, टीम-संस्कृति, नवाचार तथा समाज के प्रति योगदान की सराहना की। संस्थान के संस्थापक राहुल कुमार जैन और सुनीता जैन ने अपने उद्बोधन में अरिहंत ग्लोबल द्वारा विकसित किए गए अनेक प्रमुख डिजिटल मंचों और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानव इन्वाइट्स, संचार मंच सेवाएँ (सी-पा.एस प्रकार की सेवाएँ) तथा अन्य डिजिटल समाधान, पिछले वर्षों में अनेक संगठनों, संस्थानों और ग्राहकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। उन्होंने इस अवसर पर इस वर्ष प्रारंभ किए गए डिजिटल एम्पावरमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से नवउद्यमियों (स्टार्टअप्स), लघु और मध्यम उद्योगों, युवाओं के कौशल विकास, और तकनीकी दक्षता बढ़ाने, के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य हैं ''युवाओं, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर उन्हें रोजगार सृजन, व्यवसाय विस्तार और राष्ट्र निर्माण में सक्षम बनाना।'' वार्षिक सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान संस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष का 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सम्मान राशिका शर्मा को उनके समर्पण, रचनात्मकता और उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह में विनोद कुमावत, अंकुर सिंह, अंकित जैन, लोकेश मेहरा, आयुषी पाटनी, शैलेन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह, अमित गौतम, संजय कंवरिया तथा रवीना जांगिड़ को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन 'मिशन 100 थीम' के संकल्प के साथ हुआ, जहाँ सभी अतिथियों, टीम सदस्यों और उनके परिवारों ने एकजुट होकर भविष्य में नई ऊर्जा, नए नवाचार और मजबूत टीमभावना के साथ और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करने का दृढ़ निश्चय किया।

सी.आर.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज ऐलनाबाद में लिंग-आधारित हिंसा के खिलाफ अभियान

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद, सिरसा। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी सिरसा के आदेशों के अनुपालन में, सी.आर.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज ऐलनाबाद में 25 नवंबर 2025 से 10 दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान लिंग-आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए 16 दिवसीय सक्रियता के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूषण मोंगा के दिशा-निर्देशों में, इस कार्यक्रम का सफल संचालन एन.एस.एस. प्रोग्राम ऑफिसर दीपिका रानी और राजनीति विज्ञान विभाग की इंचार्ज, असिस्टेंट प्रोफेसर कुसुम द्वारा किया गया। छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग और नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जिससे समाज में इस गंभीर विषय के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। कॉलेज के कार्यकारी निदेशक डॉ. करुण मेहता ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध अपने विचार रखे और इसे समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. भूषण मोंगा ने लिंग-आधारित हिंसा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और छात्राओं को इसके खिलाफ सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

क्लब कॉन्क्लेव का आयोजन शहीद अचल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में

बालेसर, जिला जोधपुर. शाबाश इंडिया। शिक्षा विभाग एवं भारती एयरटेल फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों से संचालित क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत क्लब कॉन्क्लेव का आयोजन शहीद अचल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुई इन्दा, बालेसर, जिला जोधपुर में किया गया। कार्यक्रम में राजकीय विद्यालयों के 36 विद्यार्थी, 5 शिक्षकगण एवं प्रधानाचार्य ने भाग लिया। इस दौरान भारती एयरटेल फाउंडेशन के रीजनल हेड संदीप सारड़ा, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सुधीर पेत्रो तथा ट्रेनर मोहित शर्मा ने विद्यार्थियों को क्लब गतिविधियों, छात्र नेतृत्व, क्लबस-विशेष रूप से ईको क्लब, यूथ क्लब एवं आई.टी. इनोवेशन क्लब के बोर्ड अपडेट करने तथा प्राथमिक गतिविधियों में सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में स्टूडेंट इनोवेशन, टीम वर्क, क्लब कैलेंडर निर्माण एवं विद्यालय विकास से संबंधित गतिविधियों पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए। सीबीईओ कार्यालय से श्री गायड़ सिंह राठौड़ तथा पीईईओ, शहीद अचल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुई इन्दा से श्रीमती सुनीता वर्गी ने विद्यार्थियों को क्लब गतिविधियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु प्रोत्साहित किया तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। छात्रों को तकनीकी सहयोग भारती एयरटेल फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर एकेडमिक मेंटर पुनीत भटनागर एवं रविन्द्र द्वारा सभी सहभागी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

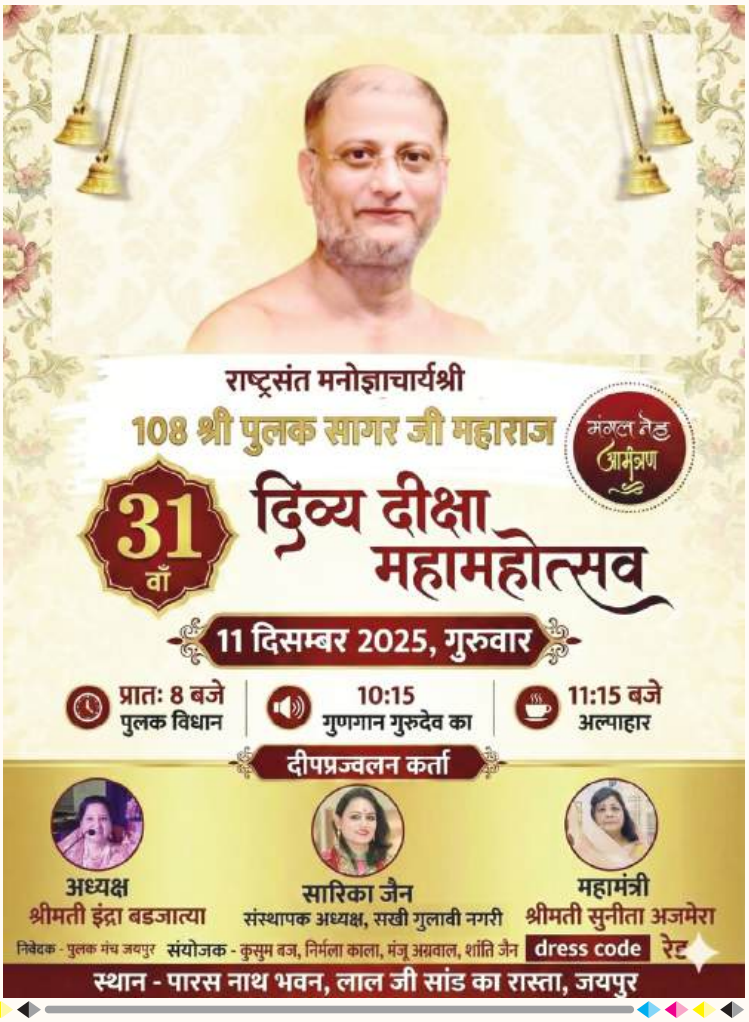

वेद ज्ञान

त्याग स्वहित में भी जरूरी

हर आदमी के जीवन में किसी न किसी बात की लगन होती है। यह लगन समाज सेवा से लेकर किसी भी प्रकार की हो सकती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अनेक लोगों ने देश-प्रेम के चलते हंस-हंस कर प्राण गंवा दिए थे। अति यानी अधिकता नुकसानदेह होती है। किसी सीमा में रहकर यदि किसी प्रकार की लगन मन में लगा ली जाए तो यह जीवन को उमंगों से भर देती है। घर को, समाज या देश को बर्बाद कर देने वाले शौक अपने यहां वर्जित हैं। इनका त्याग स्वहित में भी जरूरी है। समाज है तो यहां लोग भी अनेक प्रकार के मिलेंगे। इन सबके शौक भी निश्चय ही अलग-अलग होंगे। यहां एक बात यह ध्यान देने योग्य है कि जो शौक सकारात्मक या रचनात्मक होते हैं, समाज उन्हें ही मान्यता देता है और लोग उसी की प्रशंसा भी करते हैं। जो शौक समाज में वर्जित हैं, जो विध्वंसात्मक हैं, जिनसे व्यक्ति या समष्टि को नुकसान पहुंचता है, उसका तुरंत परित्याग कर देना चाहिए। मुझे अच्छी तरह याद है कि एक असहाय और दीन व्यक्ति, जहां कहीं भी लावारिस लाशें देखता था, तुरंत लोगों से कुछ मांगकर उस लाश की अंत्येष्टि कर देता था। यह विचित्र प्रकार की लगन थी, लेकिन उसकी सोच सकारात्मक थी। समाज के लिए इसमें दया और करुणा का संदेश भी था। वह इस कर्म को भगवान की सेवा मानता था। उसके इस कार्य ने उसे सामान्य से खास व्यक्ति बना दिया, जबकि वह स्वयं लावारिस था। धरती उसका बिछौना और आसमान चादर था। उस व्यक्ति ने जीवन पर्यंत अपने इस शौक को जारी रखा। देश में अनेक लोगों ने अपने अच्छे शौकों के कारण बहुत ख्याति अर्जित की। चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो या ज्ञान का। चाहे वह व्यक्ति का क्षेत्र हो या वैराग्य का। ज्ञानी को भगवान को जानने की लगन है तो वैज्ञानिक को मानवता की सेवा के लिए नए आविष्कारों की। इसी प्रकार भक्त भगवान के दर्शनों के लिए आतुर है तो विरागी त्याग को पराकाष्ठा पर पहुंचाने के लिए व्याकुल। भगवत चिंतन में मीरा और चैतन्य महाप्रभु इतने रम जाते थे कि नृत्य करने लगते थे। भगवान से उनकी लगन ही ऐसी थी। अच्छे लक्ष्यों और उद्देश्यों को सामने रखकर जो शौक पाले जाते हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय बन जाते हैं।

संपादकीय

किराएदार के अधिकारों का संरक्षण

मकान किराए पर देने का कारोबार लंबे समय से अनौपचारिक व्यवस्था में चलता आया है, जिसमें न तो पारदर्शिता थी और न ही दोनों पक्षों मकान मालिक और किराएदार के हितों का पर्याप्त संरक्षण। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित नए किराया नियम इस अव्यवस्था को औपचारिक ढांचे में लाने का प्रयास करते हैं। इन नियमों का मूल उद्देश्य संतुलन साधना है जहां मकान मालिक अपने संपत्ति अधिकारों को लेकर आश्वस्त रहें, वहीं किराएदार भी मनमानी और उत्पीड़न से सुरक्षित रहें। नए प्रावधानों में सबसे अहम कदम है किराया समझौते का 60 दिनों के भीतर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन। इससे प्रक्रिया पारदर्शी होगी और टैक्स प्रणाली में भी स्पष्टता आएगी। कई दशकों से बिना पंजीकृत मौखिक समझौतों के कारण विवाद बढ़ते रहे हैं। डिजिटल स्टांपिंग और ऑनलाइन पंजीकरण से अब यह सुनिश्चित होगा कि किसी भी विवाद की स्थिति में दोनों पक्षों के पास कानूनी रूप से स्वीकार्य दस्तावेज मौजूद हों। नियमों में किराएदारों को राहत देने वाले कई महत्वपूर्ण प्रावधान जोड़े गए हैं। अभी तक बड़े शहरों में अग्रिम राशि या डिपॉजिट छह महीने से लेकर एक साल तक लिया जाना आम प्रचलन था, जो किराएदारों पर भारी आर्थिक बोझ डालता था। नए नियमों के तहत आवासीय मकानों के लिए डिपॉजिट सीमा अधिकतम दो महीने तय कर दी गई है। इससे न केवल मनमाना शोषण रुकेगा, बल्कि किराये के घरों तक सामान्य आय वाले परिवारों की पहुंच भी बढ़ेगी। इसी तरह अब मकान मालिक मनमाने ढंग से किराया नहीं बढ़ा सकेंगे। किराया वृद्धि के लिए पहले से नोटिस देना अनिवार्य होगा, तथा निर्धारित सीमा और प्रक्रिया का पालन करना पड़ेगा। यह प्रावधान उस असुरक्षा को कम करेगा, जिसके चलते किराएदार अक्सर अचानक बढ़े किराए के दबाव में घर बदलने पर मजबूर हो जाते थे। किराएदारों को संरक्षण देने वाला एक और महत्वपूर्ण प्रावधान है मरम्मत संबंधी जिम्मेदारी। यदि किराएदार किसी आवश्यक मरम्मत की शिकायत करता है, तो मकान मालिक को 30 दिनों के भीतर उसे ठीक कराना होगा। ऐसा न होने पर किराएदार स्वयं मरम्मत कराकर उसके खर्च को किराए में समायोजित कर सकता है। यह बदलाव अत्यंत आवश्यक था, क्योंकि कई मामलों में मकान मालिक मरम्मत की उपेक्षा करते थे, जबकि किराएदार को असुविधा झेलनी पड़ती थी। विवादों के त्वरित निपटान के लिए प्रस्तावित किराया ट्रिब्यूनल को 60 दिनों के भीतर हर मामले का समाधान करना होगा। इससे वर्षों तक चलने वाली कानूनी प्रक्रियाओं से राहत मिलेगी और किरायेदारी से जुड़े संघर्षों का समयबद्ध निपटारा संभव होगा। हालांकि इन सुधारों के सकारात्मक पहलुओं के साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, डिजिटल स्टांप और अन्य प्रक्रियाओं को सरल रखना अत्यावश्यक है। यह सुनिश्चित होना चाहिए कि तकनीकी जटिलताओं या शुल्कों का बोझ अकेले किराएदार पर न पड़े।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बच्चों के कल्याण के लिए बढ़ती उम्मीदें

योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयॉर्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना इसका मूल उद्देश्य था। उस समय इसे यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स इमरजेंसी फंड के नाम से जाना जाता था। पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने इसके गठन में प्रमुख भूमिका निभाई थी। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में, यह संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया। इसके नाम से अंतर्राष्ट्रीय तथा आपातकालीन शब्दों को हटा दिया गया और इसका नया नाम यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड रखा गया, लेकिन मूल संक्षिप्त नाम यूनिसेफ को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ का दायित्व बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करना, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देना तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करना है। यह संस्था बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेती है, जिसका लक्ष्य बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करना है। अपनी स्थापना के बाद से इन 79 वर्षों में, यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। यूनिसेफ को विश्वभर में बच्चों के कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। यूनिसेफ वर्तमान में दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहा है। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब यह कई राज्यों में कार्यरत है। बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से यूनिसेफ द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यूनिसेफ का वित्त पोषण विभिन्न सरकारों तथा निजी दानदाताओं द्वारा किया जाता है। अनुमान लगाया जाता है कि यूनिसेफ के राजस्व का करीब 92 फीसदी हिस्सा सेवा कार्यक्रमों के लिए वितरित कर दिया जाता है। यूनिसेफ बच्चों के अवैध व्यापार और शोषण को रोकने तथा मां-बच्चे के बीच एचआईवी/एड्स के संक्रमण को समाप्त करने में सहायता करना जैसे लक्ष्यों पर केंद्रित है।

जैन संस्थाओं ने वितरित किये कम्बल, वंचितों व बालकों के चेहरों पर आई मुस्कान

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया

ठिठुरती सर्दी से निर्बल, निर्धन जनों को राहत देने के लिए जैन इंजिनीयर्स सोसाइटी, आराध्य धाम परिवार, सखी संस्थान, अमृता पाठशाला परिवार ने मिलकर वंचितों व बच्चों को कम्बल प्रदान किये। अमृता पाठशाला फरीदाबाद, आराध्य धाम जैन मंदिर व धौज में अमृता फार्म हाउस में आयोजित कार्यक्रमों में कम्बल वितरण कार्यक्रम समाज के विशिष्ट जनों द्वारा किया गया। आराध्य धाम मंदिर में पूज्य आचार्य श्री अरुण सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर श्री राकेश सल्होत्रा, श्री मती मंजू सल्होत्रा व अन्य अथितियों ने गुरुवर के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। आस-पास कार्यरत 50 से अधिक निर्बल परिवारों को ठिठुरती सर्दी से राहत दिलाने के लिए सभी संस्था के सदस्यों व उनके परिवारों ने कम्बल प्रदान किये। अमृता हॉस्पिटल परिसर में मजदूरों के बच्चों की अमृता पाठशाला में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी एकमृता नंद जी, कर्नल गोपाल कृष्णन व इंजी। अरुण जैन के द्वारा सभी बच्चों को सुन्दर कम्बल दिए गये। छोटे छोटे बच्चों ने अपने नन्हे हाथों में भारी कंबलो का बोझ आनंद से उठाया। धौज में कार्यरत मजदूरों को श्री सुभाष चौहान ने कम्बल प्रदान किये। फरीदाबाद में ही गरीब बस्तियों में उनके घरों में संस्था के सदस्यों ने जाकर उन्हें कम्बल दे सुखद आश्चर्य दिया। विभिन्न स्थानों पर कम्बल देने से बहुत सारे निर्धन व जरुरत मंद परिवारों को सर्दी से राहत दिलाने का प्रेरक प्रयास किया गया। कार्यक्रम में सहयोग करने वालों में श्री सत्यानंद जी मिश्रा, श्री प्रमोद कुमार,कर्नल गोपाल कृष्णन, डॉ सुभाष जैन, श्री सुरेंद्र जैन, श्री अभिनव जैन, श्री मनोज जैन, श्री महेश जैन, श्री डी। के। जैन, श्री अंकित जैन, श्री गोपाल कृष्णन,, श्रीमती प्रिया, श्रीमती किंशु आदि सम्मलित हैं। श्री अरुण जैन ने सेवा कार्य में सहभागिता हेतु सबका आभार व्यक्त किया।

नगरपालिका चेयरमैन दिलीप ईसरानी ने आचार्य श्री को श्री फल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया

निवाई. शाबाश इंडिया

उपखण्ड मुख्यालय पर आचार्य विनिश्चय सागर महाराज का टोंक से अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जाते समय नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप ईसरानी ने पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज के श्री फल चडाक र दर्शन कर आशीर्वाद लिया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि आचार्य श्री निवाई से विहार कर विज्ञा तीर्थ गुन्सी चाकसू होते हुए पदमपुरा जाएंगे। इस दौरान आचार्य श्री ने नगर पालिका चेयरमैन दिलीप ईसरानी से धार्मिक चर्चा करते हुए कहा कि अहिंसा धर्म ही सबसे बड़ा धर्म है एवं जीव दया सबसे बड़ा पुण्य है उन्होंने अहिंसा परमो धर्म के ऊपर धार्मिक चर्चा की।

लघु समेद शिखर के उदासीन आश्रम में सहस्त्रकूट जिनालय सात करोड़ रुपए की लागत से हो रहा निर्माण

जिनालय की ऊंचाई सौ फीट होगी

सागर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ सान्निध्य में, सहस्त्रकूट जिनालय का हुआ था भूमिपूजन। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के द्रोणागिरी (लघु समेद शिखर) के उदासीन आश्रम में सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण चल रहा है। करीब सात करोड़ रुपए से सात मंजिल, सौ फीट ऊंचाई का सहस्त्रकूट जिनालय बनाया जा रहा है। दर्शन के लिए लिफ्ट सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बुंदेलखंड के लघु सम्मेद शिखर तीर्थ धाम स्थित उदासीन आश्रम में सभी के सहयोग से जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा सबसे ऊंचा जिन सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण करवा रहे हैं।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के सान्निध्य में होगा पंचकल्याणक महोत्सव

आश्रम के प्रचारमंत्री मनीष विद्यार्थी,प्रकाश अदावन ने बताया कि निमार्णाधीन जिनालय के लिए 60 बाई 60 फीट का फाउंडेशन तैयार कर 12 फीट जमीन में खुदाई की गई। इसके बाद खुदाई लेबल से 11फीट ऊंचा फाउंडेशन बनाया गया सात मंजिला सहत्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद जिनालय के सभी सातों तल पर वेदियां पर 1008 प्रतिमाएं पदमासन मुद्रा में चारों दिशाओं में स्थापित होंगी। श्यामरी नदी के तट स्थित गुरुदत्तादि साढ़े आठ करोड़ मुनिराजों की निर्वाण एवं साधना स्थली पर 1972 से उदासीन आश्रम संचालित है ।पूज्य गणेश प्रसाद वर्णी के शब्दों में वर्णित सिद्धक्षेत्र 'लघु सम्मेद शिखर' तीर्थ के इस उदासीन आश्रम में साधु संत, त्यागी व्रती,वृद्धजन जो घर से उदासीन हो गए अपना कल्याण करने यहां पर साधना में निरंतर लीन रहते हैं।आचार्य श्री कहते हैं अपने जीवन काल मे कम से कम चावल बराबर मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य अवश्य ही प्राप्त करना चाहिए। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम आशीर्वाद से 7 मंजिला (शिखर सहित) सहस्त्रकूट जिनालय का भव्य निर्माण पूर्णताः की ओर है। इसका पंचकल्याणक महा महोत्सव आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य होगा, पंचकल्याणक महोत्सव तारीख तय के लिए ट्रस्ट,प्रबंध समिति की बैठक हुई, जिसमें तेदुखेडा में विराजमान आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज को 14 दिसंबर रविवार को श्रीफल अर्पित कर महोत्सव के लिए सान्निध्य का आशीर्वाद लेंगे।

दिगम्बर जैन महिला महासमिति नसीराबाद ने खाटोओली विधालय के गरीब एवं जरुरतमंद 74 बच्चों को स्वेटर किए वितरित

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) राजकीय खाटाओली विधालय नसीराबाद में दिगम्बर जैन महिला महासमिति नसीराबाद के तत्वावधान में स्थानीय विधालय के गरीब एवं जरुरतमंद 74 छात्र-छात्राओं को गर्म एवं ऊनी स्वेटर वितरित किए। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अध्यक्ष प्रीति सेठी , सचिव दीपा बिलाला एवं सदस्य अनिता सोगानी, अनन्ता बाकलीवाल, चित्रा बिलाला, अनिता सोनी, विधि बड़जात्या, मीनी पाटनी, संगीता पाटनी, अनिता सेठी, प्रेरणा सोनी, प्रियंका अजमेरा, मेनका गोधा, अजंली तथा ललिता बाकलीवाल उपस्थित रहे। विधालय के बच्चों को गर्म ऊनी स्वेटर वितरित करने पर विधालय के प्रधानाचार्य गुमान सिंह जादौन, हारुन रशिद खान, संतोष देवी, मंजू कुमारी एवं कुलदीप सिंह सहित समस्त विधालय शाला परिवार ने महिला महासमिति का आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया।

सुप्रसिद्ध संगीत साधक एवं गुरु स्वर्गीय पंडित राजेंद्र भट्ट की 52 वी पुण्यतिथि पर आयोजित राजेंद्र भट्ट स्मृति संगीत समारोह में कलाकारों ने प्रस्तुत की अनेक रचनाएं

कल्पना संगीत विद्यालय द्वारा आयोजित भव्य समारोह में सर्वप्रथम स्वर्गीय पंडित राजेंद्र भट्ट को संगीत जगत की हस्तियों ने एवं उनकी शिष्य परम्परा के साधकों ने श्रद्धा सुमन भेंट किए। पंडित आलोक भट्ट ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला और उनकी कालजयी रचना अनोखा है तेरा संसार, उच्च कोटि के स्वरसाधक एवं अनेक रचनाओं को विभिन्न राग रागनियों में प्रस्तुत किया समारोह में युवा गायक सुमंत मुखर्जी ने राधा माधव षोडश गीत दोऊ चकोर दोऊ चंद्रमा , टेन के तम्बूरे में जो एवम् अन्य रचनाएं प्रस्तुत की ,अगली कड़ी में कमलाकांत कौशिक ने पंडित भट्ट की स्वर रचना मुझे इसका गम नहीं है को प्रस्तुत किया इस समारोह में संगति कलाकारों में पंडित हरिहर शरण भट्ट सितार,अब्दुल रशीद क्लेरिनट ऋषि शर्मा तबला और अनिल जांगिड ने बांसुरी पर संगत की अंत में कल्पना संगीत विद्यालय की प्राचार्य अंजू भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दुर्गापुरा जैन समाज की महिलाओं ने स्कूल में छात्राओं को दी उपयोगी जानकारी

घरेलू महिलाओं में भी प्रतिभा की कमी नहीं होती है। समय समय पर उनका उपयोग करने की आवश्यकता होती है। दुर्गापुरा जैन समाज की महिलाओं ने पिछले सप्ताह महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, दुर्गापुरा में आयोजित समाज उपयोगी उत्पादक कार्य में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस क्रम में श्रीमती निधि सेठी ने फ्लावर मेकिंग के बारे में, श्रीमती वर्षा अजमेरा ने बैलेंस डाइट एवं बीएलएस ट्रेनिंग एवं आशिका जैन ने मानव जीवन में प्लांट्स की उपयोगिता के बारे में छात्राओं को पाठ्यक्रम से हटकर दैनिक जीवन हेतु उपयोगी जानकारी दी, जिसे छात्राओं ने बड़े ही मनोयोग से सुना एवं अपनी जिज्ञासा का समाधान भी पाया। इस तरह जैन बैंकर्स जयपुर की पहल पर जैन समाज की गृहिणियां अपने परिवार का बैलेंस करते हुए समाज हित में समय का सदुपयोग कर रही है।

सरकारी आदेश और आम जनता की पीड़ा: 10-12 साल में गाड़ी कबाड़, लेकिन जिम्मेदारी किसकी?

हरियाणा सरकार का नया आदेश–पेट्रोल और CNG की गाड़ियाँ 12 साल और डीजल की गाड़ियाँ 10 साल बाद सड़क पर नहीं चल सकेंगी–सुनने में बड़ा नियम-कानून जैसा लगता है, लेकिन असली दर्द उन लाखों लोगों का है जिनके जीवन का चक्का इन्हीं गाड़ियों पर चलता है। सरकार एक लाइन में आदेश जारी कर देती है, लेकिन उस एक लाइन के पीछे आम नागरिक की कितनी मजबूरियाँ छिपी होती हैं, इसका अंदाजा शायद किसी को नहीं। यह फैसला उन परिवारों के लिए भारी सदमा है जो कई-कई किस्तें भरकर, जरूरतें काटकर, मुश्किलों में पैसे जोड़कर गाड़ी लेते हैं। कोई पिता अपनी नौकरी जाते समय अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचकर गाड़ी खरीदता है, कोई छोटे काम-धंधे के लिए, कोई बेटी की सुरक्षा के लिए, कोई बुजुर्गों को अस्पताल ले जाने के लिए–गाड़ी हर घर में एक साधन नहीं, भरोसे की चीज होती है। लेकिन अब सरकार कह रही है कि चाहे आपकी गाड़ी अच्छी चले, चाहे उसकी फिटनेस शानदार हो, चाहे प्रदूषण का स्तर न्यूनतम हो–12 या 10 साल पूरे होते ही वह बेकार है, सड़क पर उतरने लायक नहीं है। सोचिए, एक आदमी जिसने 7झ8 लाख रुपए की कार खरीदी, जिसकी एटक वह 5झ6 साल तक चुकाता रहाङ्क उसके बाद उसे उम्मीद होती है कि कम से कम 8झ10 साल और यह गाड़ी बिना बोझ के उसके काम आएगी। लेकिन नया आदेश कहता है–नहीं, इसे कबाड़ बना दो। यह सीधी-सीधी आर्थिक लूट नहीं तो और क्या है? आम आदमी की जिंदगी कोई कागज पर बनी फाइल नहीं है, जहां एक पैराग्राफ जोड़ देने से हालात बदल जाएं। हर गाड़ी के साथ एक परिवार जुड़ा है, एक रोजगार जुड़ा है, एक संघर्ष जुड़ा है। सबसे बड़ी परेशानी उन लोगों की है जिनकी जीविका गाड़ी पर ही निर्भर है–ऑटो चालक, टैक्सी चालक, कैब ड्राइवर, छोटे व्यापारी, डिलीवरी करने वाले, फल-सब्जी वाले, ग्रामीण इलाकों से रोजाना यात्रा करने वाले कर्मचारीङ्कइनमें से अधिकतर लोग किसी भी हालत में हर 10झ12 साल में गाड़ी बदल नहीं सकते। दिन-रात मेहनत करके जो थोड़ा बचा पाते हैं, उसकी भी कोई गारंटी नहीं रहती। सरकार ये आदेश बनाते समय कभी ये सोचती है कि जिस आदमी की महीने की कमाई 15झ20 हजार है, वह नई गाड़ी कैसे लेगा? एटककैसे भरेगा? महंगाई की मार से जूझ रहा मध्यमवर्ग पहले ही टूट चुका है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें आसमान छू रही हैं, बिजली महंगी है, गैस महंगी है, रोजमर्रा का सामान महंगा है। अब यह नया नियम लोगों को आर्थिक तौर पर और दिवालिया करने वाला है। पर्यावरण बचाना जरूरी है, इसमें कोई दो राय नहीं, लेकिन सवाल यह है कि क्या पर्यावरण सिर्फ.आम आदमी की पुरानी गाड़ी से ही खतरे में है? बड़े उद्योगों से निकलता जहरीला धुआँ, सरकारी निर्माण कार्यों की धूल, श्क्ढ गाड़ियों के काफिले, बड़े आयोजनों में होने वाला धुआँ-धक्कड़–इन सबका क्या? क्या इनके लिए भी 10झ12 साल का नियम लागू है? या यह नियम सिर्फ.उन पर लागू होगा जिनकी आवाज सबसे धीमी है? सरकार को चाहिए था कि वह ये नियम लागू करने से पहले जनता से राय लेती, लोगों की आर्थिक क्षमता समझती, फिटनेस आधारित सिस्टम को मजबूत करती। दुनिया के विकसित देशों में गाड़ी की उम्र नहीं, उसकी हालत और प्रदूषण तय करता है कि वह सड़क पर चलेगी या नहीं। हमारे यहाँ भी यही व्यवस्था होनी चाहिए। अगर गाड़ी फिट है, प्रदूषण नियंत्रित है, इंजन बढ़िया है, तो सिर्फ.उम्र की वजह से उसे कबाड़ बताना अन्याय है। जनता यही मांग कर रही है कि सरकार अपनी नीति पर पुनर्विचार करे। यह नियम पर्यावरण नहीं, सीधे-सीधे आम आदमी की जेब पर हमला है। इसे या तो वापस लिया जाए या व्यावहारिक बनाया जाए–जैसे फिटनेस टेस्ट के आधार पर गाड़ी चलाने की अनुमति, एक्सचेंज स्कीम, सब्सिडी या आर्थिक राहत। वरना सड़क पर सबसे ज्यादा पीस वही लोग जाएंगे जो पहले ही जीवन की कठिनाइयों से जूझ रहे हैं।

नितिन जैन, संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

इच्छाओं को नियंत्रित करें : आचार्य वर्धमान सागर महाराज

रवासा में जैन मुनि श्रेयस सागर महाराज के चरण छतरी का लोकार्पण किया

मुनि दीप्त सागर महाराज के चरण छतरी का लोकार्पण आज

बोंली. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा रवासा जैन मंदिर पर मंगलवार को वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज संघ के सानिध्य में रवासा बोलीं में आयोजित श्री जी की नूतन वेदी स्थापना एवं प्रथमाचार्य श्री शांति सागर महाराज के स्तूप एवं समाधिस्थ मुनि श्री श्रेयस सागर महाराज के चरण स्थापना का लोकार्पण कर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि आचार्य श्री के अल्प प्रवास के दौरान रवासा जैन मंदिर में छतरी लोकार्पण को लेकर मनोज कुमार सोगानी सहित कई श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। इस दौरान मुनि श्री श्रेयस सागर महाराज के समाधि स्थल पर आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज एवं मुनि श्री हितेन्द्र सागर महाराज के मंत्रोच्चार द्वारा मंगल कलश की स्थापना कर आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं मुनि श्रेयस सागर महाराज की श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल पाटनी ने बताया कि बोंली के श्रावक श्रेष्ठी एवं समाजसेवी मनोज शमीर्ला जैन, संजीव प्रमीला जैन, राजीव प्रीति जैन सोगानी परिवार ने मुनि श्रेयस सागर महाराज की स्थापना एवं आचार्य श्री को श्री फल चढ़ाने का सौभाग्य मिला। कार्यक्रम के दौरान दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल की प्रदेशाध्यक्ष शकुंतला देवी बिन्दायका जयपुर ने आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज को श्री फल चडाक र आशीर्वाद लिया एवं पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में महिला ईकाई अध्यक्ष शशी सोगानी लुहारा, पूर्व तहसीलदार ज्ञानचंद सोगानी, महावीर प्रसाद बिन्दायका, विमल सोगानी, शंभु कठमाणा, कमल सर्राफ, सुरेश कुमार जामडोल्ली सहित कई लोग मौजूद रहे। वात्सल्य भक्त परिवार के गोपाल कठमाणा एवं विष्णु बोहरा ने बताया कि आचार्य श्री के संधस्थ समाधिस्थ जैन मुनि दीप्त सागर महाराज की समाधि स्थल करीरीया में बुधवार को विधिवत पूजन के साथ छतरी का लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि आज का हर मानव दुखी है बैचेन है और परेशान हैं भौतिकता प्रधान इस यांत्रिक तकनीकी युग में उसकी व्यस्तता प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि हम जीवन की यथार्थता को पहचाने एवं इच्छाओं को नियंत्रित करें। अगर हमने अपनी इच्छाएं नियंत्रित नहीं की तो हमारा विनाश निश्चित है। इच्छाएं जिसकी दास बन जाती है वह तिर जाता है और जो इच्छाओं का दास बन जाता है उसे इच्छाएं संसार सागर में डूबो देती है।

नववर्ष स्वागत समारोह सानंद सम्पन्न (आदिश्वर महिला मंडल दादाबाड़ी)

कोटा. शाबाश इंडिया

दादाबाड़ी स्थित आदिश्वर महिला मंडल द्वारा स्नेह और उत्साह के साथ ''अलविदा 2025, वेलकम 2026'' नववर्ष स्वागत समारोह आयोजित किया गया। मंडल अध्यक्ष मधु शाह ने बताया कि राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार कोटा को जानकारी देते हुवे बताया कि वर्ष 2026 के शुभागमन पर सभी जीवों के कल्याण, शांति, सद्भावना एवं मंगलमय जीवन की कामना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से किया गया। प्रचार-प्रसार मंत्री मृदुला ने बताया कि सदस्यों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें ग्रुप गेम, हाउजी, नृत्य एवं कविता पाठ मुख्य आकर्षण रहे। पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार ने आगे बताया कि भव्य आयोजन के पश्चात सभी ने सात्विक वात्सल्य भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन का सौभाग्य स्वेता गंगवाल को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम संयोजन में सीमा कासलीवाल एवं संगीता का विशेष योगदान रहा, वहीं मंगलाचरण का वाचन संगीता तलवंडी द्वारा किया गया। मंत्री श्रीमती दमयंती हरसौरा, कोषाध्यक्ष सीमा गोधा, रानी ने जानकारी देते हुए बताया कि सरिता शाह, मीना पाटनी, सीमा शाह, अनिता पाटोदी सहित कुल 40 सदस्याओं की उपस्थिति में कार्यक्रम उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रस्तुति पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार कोटा 9414764980

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का शुक्रवार 12 दिसम्बर को अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में होगा भव्य मंगल प्रवेश

28 वां संयम दीक्षा महोत्सव रविवार 14 दिसम्बर को, होगा भव्य आयोजन, तैयारियां जोरो पर...

जयपुर वासियों ने चढ़ाया श्रीफल, दीक्षा जयन्ती के पोस्टर का हुआ विमोचन

प्रत्येक प्राणी के अन्दर एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिएः विनिश्चय सागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज का 28 वां संयम दीक्षा महोत्सव रविवार 14 दिसम्बर को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए आचार्य ससंघ का शुक्रवार 12 दिसम्बर को प्रातः 8.30 बजे पदमपुरा अतिशय क्षेत्र में गाजो बाजों के साथ भव्य मंगल प्रवेश होगा। जयपुर के श्रद्धालुओं द्वारा आचार्य ससंघ के सानिध्य में दीक्षा महोत्सव के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन किया गया। आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के अध्यक्ष अनिल जैन बनेठा एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि संयम दीक्षा महोत्सव की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। विभिन्न समितियां बनाई गई है। इससे पूर्व आचार्य संघ का गुरुवार 11 दिसम्बर को प्रातः चाकसू में भव्य मंगल प्रवेश होगा। आहार चर्या चाकसू में ही होगी। रात्रि विश्राम शिवदासपुरा में होगा। जहा से शुक्रवार को आचार्य संघ प्रातः 7. 30 बजे मंगल विहार कर पदमपुरा के गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय पहुंचेगे जहां मुख्य ट्रस्टी नरेश मेहता एवं समिति सदस्य विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में आचार्य संघ की भव्य अगवानी की जाएगी। यहाँ से प्रातः 8.30 बजे मंदिर जी के लिए बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस रवाना होगा । मंदिर पहुचने के बाद भगवान पदमप्रभू के दर्शन लाभ उपरांत धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। मुख्य संयोजक प्रदीप जैन एवं चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि रविवार को आयोजित होने वाले 28 वें संयम दीक्षा दिवस के लिए सकल दिगम्बर जैन समाज जयपुर द्वारा निवाई में मंगल प्रवेश धर्म सभा के दौरान श्रीफल भेट कर निवेदन किया गया। पदमपुरा क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि पोस्टर विमोचन के मौके पर प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, पदम चन्द बिलाला, डॉ विमल कुमार जैन, चेतन जैन निमोड़िया, अशोक बाकलीवाल, सतीश खण्डाका,जिनेन्द्र जैन जीतू, निर्मल पाटोदी,कुलदीप सोनी, पुलकित जैन, सीए शुभम जैन हल्देनिया ,नितिन जैन हल्देनिया, अंकित जैन, गजानन्द काला एवं जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला, शकुन्तला बिन्दायक्या, दीपिका जैन कोटखावदा प्रेम लता बाकलीवाल अनिता लुहाड़िया ने आचार्य विनिश्चय सागर महाराज के 28 वां संयम दीक्षा दिवस दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में मनाने को लेकर पोस्टर का विमोचन किया गया। इस दौरान निवाई, जयपुर, पदमपुरा,चाकसू, शिवाड़ एवं टोंक जैन समाज ने शीतकालीन प्रवास हेतु श्री फल चढाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री का अष्टद्रव्य से पूजन किया गया। मुख्य संयोजक पदम चन्द बिलाला एवं डॉ विमल कुमार जैन ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ विज्ञा तीर्थ,कोथून, चाकसू, शिवदासपुरा होते हुए 12 दिसम्बर को अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश करेंगे । इससे पूर्व गणाचार्य विराग सागर महाराज के शिष्य आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का गाजे बाजे के साथ निवाई में मंगल पदार्पण हुआ इसके साथ ही वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज के संघ का भव्य मिलन हुआ।

आचार्य श्री ने सम्बोधित किया

इस अवसर पर आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंदर समर्पण की भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संसार एवं मोक्ष का सम्पूर्ण व्यवहार विश्वास की आधारशिला पर अवस्थित है। सदैव सज्जनों की संगति में रहना चाहिए। अतः आप व्यवहारिकता में सज्जन पुरुषों की संगति करना और सही पूछा जाए तो परमात्मा से दोस्ती करना उसे अपना मित्र बनाना यदि परमात्मा को मित्र बना लोगे तो एक दिन तुम भी परमात्मा बन जाओगे। उन्होंने कहा कि मानव का शत्रु क्रोध है। यदि किसी को बात बात पर क्रोध आता है तो यह समझ लेना चाहिए कि उसने पग पग पर अपने शत्रुओं को तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि क्रोध के अलावा दूसरा कोई पाप नहीं है। क्रोध के आवेश में आकर प्राणी अपने और पराए के प्राणों का धात करने के लिए तैयार हो जाता है।

रायपुर जबलपुर इंटरसिटी ट्रेन का नाम श्री विद्यासागर एक्सप्रेस रखा जाए

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। नव संचालित ट्रेन जबलपुर - रायपुर इंटरसिटी ट्रेन का नाम श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य विद्यासागर एक्सप्रेस या मूकमाटी एक्सप्रेस नाम से संचालित हो धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि राज्यसभा सांसद माया जी (बीजेपी) ने राज्यसभा पटल पर अपनी बात रखते हुए पुरजोर मांग रेलमंत्री को संबोधित करते हुए रखा प्रस्ताव...!! भारत वर्षीय जैन समाज हर्षित जबलपुर रायपुर समाज जन द्वारा उठाई गई इस मांग को सभी ओर से समर्थन मिला है और अब इसे राज्यसभा सांसद द्वारा राज्यसभा में भी रखा गया है। दद्दू ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भारत वर्षीय जैन समाज भारतीय रेल मंत्रालय से उम्मीद की जाती है कि यह मांग रेलवे मंत्रालय द्वारा शीघ्र स्वीकृत होगी।

मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज को तीर्थ निर्देशिका भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया

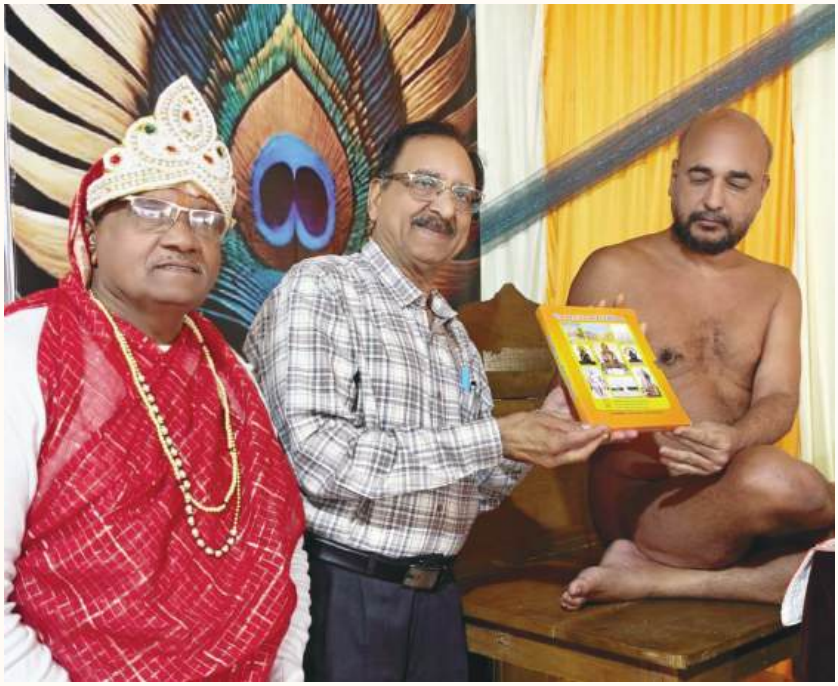

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। नगर में विराजित अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज को नवीन तीर्थ निर्देशिका के प्रकाशक समाज गोरव हंसमुख उर्मिला गांधी ने पुज्य मुनि श्री भेट करआशीर्वाद प्राप्त किया , धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर गांधी परिवार को परम पूज्य गुरुदेव के पाद प्रक्षालन का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ । इस अवसर रेखा जैन ने भी गुरु चरणों का पाद प्रक्षालन कर अपना जीवन धन्य किया। दद्दू ने कहा कि इस वर्ष प्रकाशित लेटेस्ट अपडेटेड तीर्थ निर्देशिका मंगवाने हेतु संपर्क करें।

-हसमुख जैन गांधी इंदौर

बर्फीली सीमा पर हमारे सैनिकों को

वे ठिठुरन झेल रहे हैं

इंजी. अरुण कुमार जैन

जब हम रजाई, गददों में,
वे बर्फ से सेंक रहे हैं.
हम सूप, चाय, कॉफी संग,
वे ठिठुरन झेल रहे हैं.
वे सच्चे पूत हैं माँ के,
हमको सुख, शांति देते,
किंचित, तनिक विचारें,
हम उनको क्या हैं, देते?
***
मात, पिता, बच्चों का, उनके हम ध्यान धरें नित,
वे रहें सदा मुस्काते,
इतना तो अवश्य करें हम.
हर जन,मन प्रगति करें नित,
हर मनवांछित सब पाएं,
अपने कर्तव्य पालन कर,
भारतवासी बन जाएं.
**
बनें विश्व का गौरव,
इस वसुधा का हर प्राणी,
जो डटे देश सीमा पर,
रखें उनकी याद कहानी.
वे ही सपूत हैं माँ के,
अजर, अमर सेनानी.
जय हिन्द, जय, हिन्द
जय देश की सेना....

संपर्क//अमृता हॉस्पिटल,
सेक्टर 88,फरीदाबाद, हरियाणा.
मो::7999469185